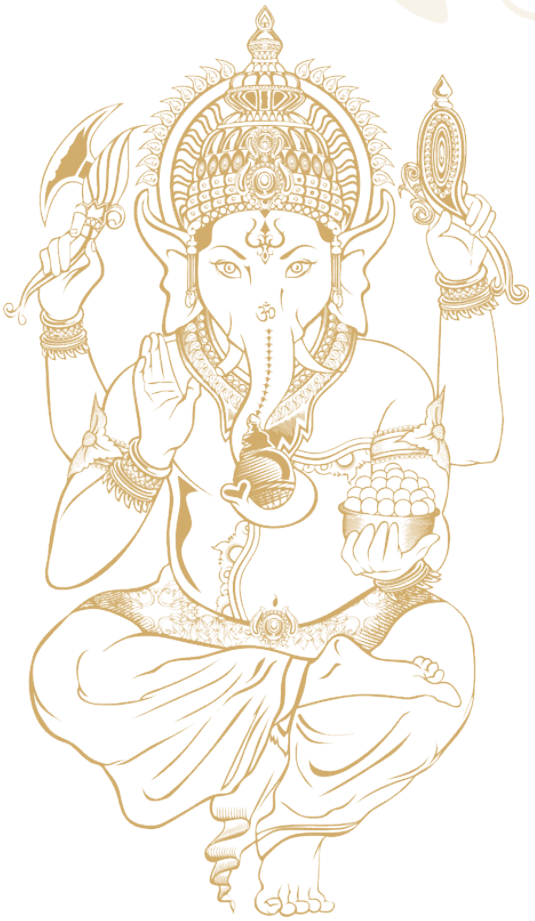

19 Jul 1987

12:25 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121013507

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/07/1987**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:25:00 घंटे**
इष्ट	17:05:25 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:14:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल	08:00:58 घंटे
सूर्योदय	05:34:50 घंटे
सूर्यास्त	18:57:43 घंटे
दिनमान	13:22:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	02:24:41 कर्क
लग्न के अंश	03:55:51 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:55:51	325:23:47	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	02:24:41	00:57:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:28:29	12:33:20	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	14:20:44	00:38:13	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			मिथु	14:25:53	00:21:46	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु			मेष	04:27:32	00:05:51	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	22:48:11	01:13:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	21:36:03	00:02:47	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	11:32:19	00:02:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	11:32:19	00:02:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:48:15	00:01:56	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	12:24:11	00:01:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	13:27:59	00:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	04:27:29	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:58

लग्न-चलित

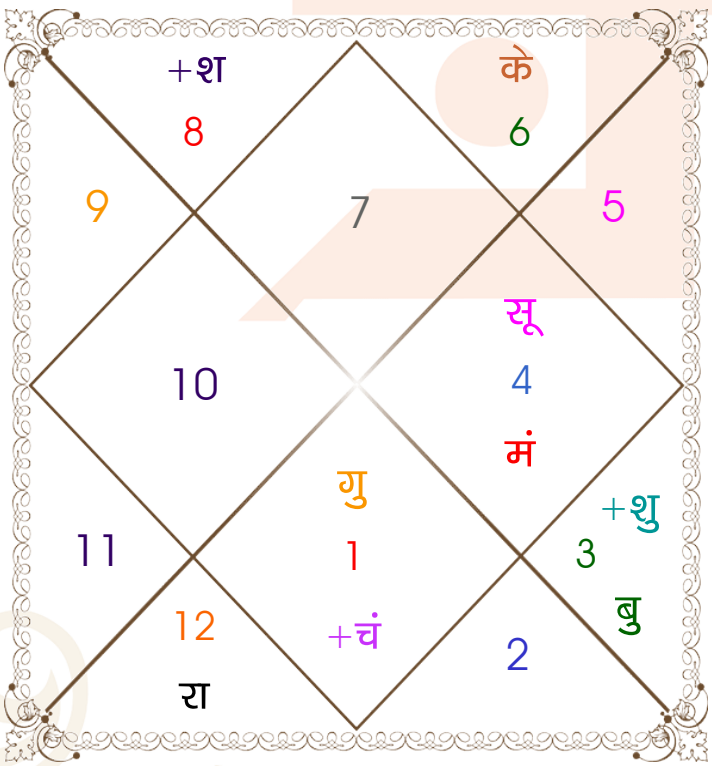

चन्द्र कुंडली

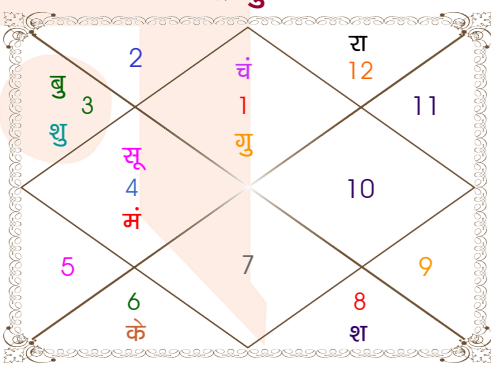

नवमांश कुंडली

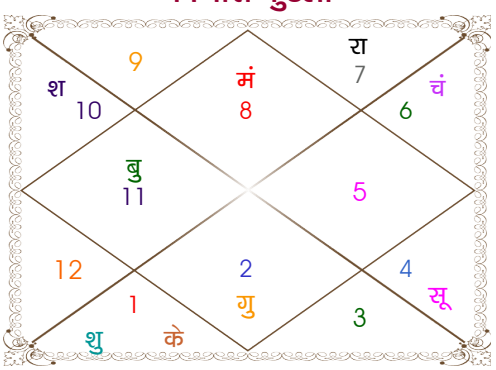

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 9 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/07/1987		02/05/1998		02/05/2004		02/05/2014		02/05/2021	
02/05/1998		02/05/2004		02/05/2014		02/05/2021		03/05/2039	
	00/00/0000	सूर्य	20/08/1998	चंद्र	02/03/2005	मंगल	28/09/2014	राहु	13/01/2024
	00/00/0000	चंद्र	19/02/1999	मंगल	01/10/2005	राहु	17/10/2015	गुरु	08/06/2026
	00/00/0000	मंगल	26/06/1999	राहु	02/04/2007	गुरु	22/09/2016	शनि	14/04/2029
	19/07/1987	राहु	20/05/2000	गुरु	01/08/2008	शनि	01/11/2017	बुध	01/11/2031
राहु	02/07/1988	गुरु	08/03/2001	शनि	02/03/2010	बुध	29/10/2018	केतु	19/11/2032
गुरु	03/03/1991	शनि	18/02/2002	बुध	02/08/2011	केतु	27/03/2019	शुक्र	19/11/2035
शनि	02/05/1994	बुध	26/12/2002	केतु	02/03/2012	शुक्र	26/05/2020	सूर्य	13/10/2036
बुध	02/03/1997	केतु	03/05/2003	शुक्र	01/11/2013	सूर्य	01/10/2020	चंद्र	14/04/2038
केतु	02/05/1998	शुक्र	02/05/2004	सूर्य	02/05/2014	चंद्र	02/05/2021	मंगल	03/05/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/05/2039		03/05/2055		02/05/2074		03/05/2091		02/05/2098	
03/05/2055		02/05/2074		03/05/2091		02/05/2098		00/00/0000	
गुरु	20/06/2041	शनि	05/05/2058	बुध	28/09/2076	केतु	29/09/2091	शुक्र	02/09/2101
शनि	01/01/2044	बुध	13/01/2061	केतु	25/09/2077	शुक्र	28/11/2092	सूर्य	02/09/2102
बुध	08/04/2046	केतु	21/02/2062	शुक्र	26/07/2080	सूर्य	05/04/2093	चंद्र	03/05/2104
केतु	15/03/2047	शुक्र	23/04/2065	सूर्य	02/06/2081	चंद्र	04/11/2093	मंगल	03/07/2105
शुक्र	13/11/2049	सूर्य	05/04/2066	चंद्र	01/11/2082	मंगल	02/04/2094	राहु	20/07/2107
सूर्य	01/09/2050	चंद्र	04/11/2067	मंगल	29/10/2083	राहु	20/04/2095		00/00/0000
चंद्र	01/01/2052	मंगल	13/12/2068	राहु	18/05/2086	गुरु	26/03/2096		00/00/0000
मंगल	07/12/2052	राहु	20/10/2071	गुरु	22/08/2088	शनि	05/05/2097		00/00/0000
राहु	03/05/2055	गुरु	02/05/2074	शनि	03/05/2091	बुध	02/05/2098		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।